डेवोन कॉनवे इस आईपीएल में रिटायर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

मुल्लांपुर। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे इस आईपीएल सीजन रिटायर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा भी रिटायर आउट हुए थे। हालांकि, सीएसके के लिए यह दांव काम नहीं आया और उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पंजाब ने सीएसके के सामने 220 रनों का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके के लिए कॉनवे ने 18वें ओवर तक बल्लेबाजी की और 49 गेंदों पर 69 रन बनाए जिसमें छह चौका और दो छक्के शामिल हैं। कॉनवे ने 37 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा, लेकिन जरूरी रन रेट बढ़ता देख उन्होंने रिटायर आउट होने का फैसला लिया। सीएसके को उस वक्त जीत के लिए 13 गेंदों पर 49 रनों की जरूरत थी। कॉनवे के रिटायर आउट होने के बाद रवींद्र जडेजा क्रीज पर आए। हालांकि, यह कदम सीएसके के लिए फायदेमंद नहीं रहा और पंजाब ने 20 ओवर में सीएसके को 201 रन पर रोक दिया। कॉनवे आईपीएल इतिहास में रिटायर आउट होने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले आईपीएल में रविचंद्रन अश्विन (2022), अथर्व तायदे (2023), साई सुदर्शन (2023) और तिलक वर्मा (2025) ऐसा कर चुके हैं। कॉनवे के रिटायर आउट होने पर सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा, कॉनवे शीर्ष क्रम में हमारे लिए काफी फायदेमंद हैं। जब आपके पास जडेजा हैं जो मैच फिनिश करने के लिए जाने जाते हैं, आप उनसे इसी तरह की उम्मीद करते हैं। कॉनवे को रिटायर आउट करने का फैसला ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के समझ से परे था। उन्होंने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा, मुझे वह निर्णय समझ में नहीं आया, आप उस खिलाड़ी को रिटायर आउट कर देते हैं जो 69 रन पर था और मैदान पर इतना समय बिता चुका था। मुझे पता है कि आपको छक्कों की जरूरत है, लेकिन ऐसा नहीं है कि कॉनवे छक्के नहीं मार सकता। कप्तान के तौर पर इस तरह के फैसले ही आपको दर्शाते हैं। इसी से हमेशा तय होता है कि आप जीतते हैं या हारते हैं। सीएसके के लिए पंजाब के खिलाफ डेवोन कॉनवे ने अर्धशतकीय पारी खेली। तीसरे विकेट के लिए शिवम दुबे और डेवोन कॉनवे ने 51 गेंदों में 89 रन जोड़े। कॉनवे ने इस मुकाबले में 69 रनों की दमदार पारी खेली।

आज लय बरकरार रखने उतरेंगी दिल्ली और बेंगलुरु की टीम

विराट और स्टार्क पर होंगी नजरें

बंगलुरू। शानदार फॉर्म में चल रहीं दिल्ली और बेंगलुरु की टीमें गुरुवार को आपस में भिड़ेंगी। बंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2025 का 24वां मुकाबला खेला जाएगा। इस दौरान विराट कोहली का सामना मिचेल स्टार्क से होगा। दिल्ली ने अब तक खेले सभी तीनों मुकाबले जीते हैं जबकि आरसीबी ने चार में तीन मैचों में जीत का स्वाद चखा है। दोनों टीमें क्रमश- पहले और तीसरे स्थान पर हैं।

दिल्ली को रहना होगा सावधान

आरसीबी ने कोलकाता, चेन्नई और मुंबई में जीत दर्ज की और एकमात्र पराजय उसे चिन्नास्वामी स्टेडियम पर गुजरात टाइटंस के हाथों झेलनी पड़ी। हार की वजह हालांकि टीम की कोई कमी नहीं रही बल्कि चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच ने उसे हैरान कर दिया। वहीं, विशाखापत्तनम और चेन्नई जैसी अलग अलग पिचों पर जीत दर्ज करके आई दिल्ली के खिलाफ आरसीबी को सावधान रहना होगा। वैसे विराट के फॉर्म में आने से मेजबान टीम के हौसले बुलंद है।

विराट और स्टार्क के बीच होगी टक्कर

विराट को हालांकि आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव से पार पाना होगा। कोहली ने स्टार्क के खिलाफ टी20 क्रिकेट में 31 गेंद में 72 रन बनाए हैं। इस सत्र में स्टार्क तीन मैचों में 11 की औसत से नौ विकेट ले चुके हैं।

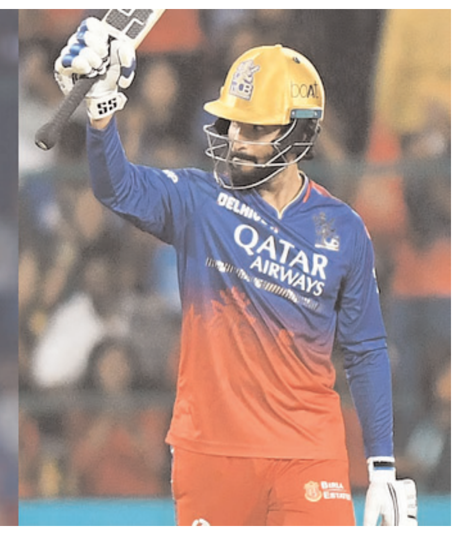

पावरप्ले में स्टार्क और कोहली की भिड़ंत पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।

कुलदीप के खिलाफ विराट का कैसा होगा रुख?

इसके बाद कुलदीप से सामना होगा जो छह की इकॉनॉमी रेट से छह विकेट ले चुके हैं। वैसे टी20 क्रिकेट में स्पिनरों के खिलाफ ऊंचे और स्वीप शॉट खेलने की अपनी कमजोरी से पार पा चुके कोहली काफी उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे उन्हें धीमे बल्लेबाजों के खिलाफ खुलकर खेलने में मदद मिल रही है। कुलदीप की तरकश में हालांकि कई तीर हैं और वह किसी भी बल्लेबाज को परेशान कर सकते हैं।

अक्षर से होगा पाटीदार का सामना

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार भी फॉर्म में हैं और वह स्पिनरों को खेलने में माहिर हैं। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स को बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल से अधिक प्रभावी भूमिका की उम्मीद होगी। कप्तान अक्षर ने अब तक तीन मैचों में आठ ओवर डाले हैं लेकिन एक भी विकेट नहीं ले सके हैं।

राहुल और डुप्लेसिस पर रहेगी नजरें

आरसीबी के लिए नई गेंद संभालने वाले जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार पावरप्ले में प्रभावी रहे हैं। उन्हें दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल पर लगाम लगानी होगी जो यहां के हालात से बखूबी वाकिफ हैं। राहुल अब देर तक टिकने की बजाय बेहद आक्रामक खेलने के इरादे से उतर रहे हैं जिससे काफी खतरनाक भी साबित हो रहे हैं। दिल्ली की नजरें फाफ डुप्लेसिस की फिटनेस पर भी लगी होंगी जो चेन्नई के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। यहां के हालात से वाकिफ डुप्लेसिस अगर फिट होते हैं तो आरसीबी के नयी गेंद के गेंदबाजों को अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर अब ग्लेन मैक्सवेल पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इतना ही नहीं, मैक्सवेल में खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। मैक्सवेल ने लेवल-1 के अपराध पर स्वीकार कर लिया है जिस कारण इस मामले में आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी है।

मैक्सवेल ने स्वीकार किया जुर्माना

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही एक डिमेरिट अंक भी दिए हैं। मैक्सवेल ने धारा 2.2 के अंतरगत लेवल-1 के अपराध और मैच रेफरी द्वारा लगाए गए जुर्माने को स्वीकार किया। लेवल-1 के अपराध के लिए मैच रेफरी का

फैसला ही अंतिम होता है।

फॉर्म में नहीं चल रहे हैं मैक्सवेल

मैक्सवेल बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं। वह सीएसके के खिलाफ मैच के दौरान एक रन बनाकर आउट हुए थे। उन्हें सीएसके के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपना शिकार बनाया था। पंजाब की टीम हालांकि, 18 रन से यह मुकाबला अपने नाम करने में सफल रही थी। पंजाब की टीम चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक लेकर फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

कई खिलाड़ियों पर लग चुका है जुर्माना

यह पहली बार नहीं है जब किसी खिलाड़ी पर आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जुर्माना लगाया गया है। इस आईपीएल सीजन में पिछले कुछ दिनों से लगातार खिलाड़ियों पर जुर्माना लग रहा है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के दिग्वेश राठी पर दो बार विवादित तरीके से जश्न मनाने के कारण जुर्माना लग चुका है। वहीं, ऋषभ पंत, आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या, शुरुआती तीन मैच में राजस्थान रॉयल्स की कमान संभालने वाले रियान पराग और गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पर भी जुर्माना लगाया जा चुका है।

बल्लेबाजी को लेकर विराट कोहली ने दिया बयान

मैंने कभी किसी को पीछे छोड़ने की कोशिश नहीं की

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल 2025 में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। कोहली चार मैचों में दो अर्धशतक लगा चुके हैं। आरसीबी का सामना अब गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स के साथ होना है। कोहली ने मैच से पहले पिछले कुछ सप्ताह में उनका करियर कैसा रहा है इस पर बात की है। उन्होंने कहा कि टीम उन्हें जो भूमिका देती है वो उसे पूरा करने की कोशिश करते हैं। कोहली ने आईपीएल के 18वें सीजन से पहले चैंपियंस ट्रॉफी में कुछ अच्छी पारियां खेली थी। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक लगाया था और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 84 रन बनाए थे। अपनी बल्लेबाजी पर बात करते हुए कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी किसी को पीछे छोड़ने की कोशिश नहीं की है। कोहली ने

स्वीकार किया कि आईपीएल में 18 साल बिताने से उन्हें क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपने कौशल को निखारने में मदद मिली।कोहली बोले- जिम्मेदारी उठाने की पहल करता हूं बारे में नहीं है। यह कभी किसी को मात देने की कोशिश नहीं है। मेरे लिए यह हमेशा खेल की स्थिति को समझने के बारे में रहा है। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे हमेशा गर्व है। मैं परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहता हूं। अगर मैं लय में होता हूं तो मैं स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी उठाने की पहल करता हूं। अगर कोई और बेहतर तरीके से खेल रहा होता है तो वह ऐसा करता है।

रेपो दरों में कमी रणनीतिक फैसला, मांग बरकरार रखने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो दरों में लगातार दूसरी बार 25 बेसिस अंकों की कटौती कर बाजार को बड़ी राहत दी है। इस कटौती के साथ रेपो दर 6.0 प्रतिशत पर आ गई है जो फरवरी के पहले 6.50 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। इससे बैंकों को आरबीआई से सस्ता कर्ज मिल सकेगा और इसका असर खुदरा कर्ज धारकों को होगा। लगातार दूसरी बार रेपो दरों में कटौती होने से बैंकों को यह लाभ अपने कर्जधारकों तक पहुंचाने का भी दबाव बढ़ेगा और इस कारण होम लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई में कुछ कमी आ सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के बीच रेपो दरों की कटौती को एक रणनीतिक फैसला भी माना जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि ट्रंप के टैरिफ वार से वैश्विक मंदी की आशंका गहरा गई है। माना जा रहा है कि इससे अमेरिका में भारतीय उत्पाद महंगे होंगे और उसकी खपत में कमी आ सकती है। ऐसे में भारतीय कंपनियों को झटका लग सकता है। लेकिन यदि अमेरिकी बाजार में कमी की कुछ भरपाई भारतीय उपभोक्ताओं के द्वारा की जा सके तो यह न केवल कंपनियों के लिए राहत भरी खबर होगी, बल्कि इससे बाजार को स्थिरता भी मिलेगी। रेपो दरों में कटौती होने से यदि कर्ज की दरों में कमी आती है तो इससे भारतीय बाजार में वस्तुओं की मांग बढ़ेगी। यही कारण है कि इसे एक समयोचित उचित निर्णय माना जा रहा है।

भारत समेत कई देशों पर डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ अब प्रभावी

चीन पर संयुक्त 104 प्रतिशत शुल्क भी लागू

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ बुधवार आधी रात के बाद पूरी तरह से लागू हो गए। ट्रंप ने 2 अप्रैल को जवाबी टैरिफ का एलान किया था। उन्होंने घोषणा की थी कि अमेरिका अब अपने लगभग सभी व्यापारिक साझेदारों पर न्यूनतम 10 फीसदी टैरिफ लगाएगा। वह उन देशों पर अधिक शुल्क लगाएगा, जो उससे बहुत ज्यादा टैरिफ वसूलते हैं। 10 फीसदी बेसलाइन शनिवार को पहले ही लागू हो गई थी। इसके बाद दर्जनों देशों पर ट्रंप की उच्च आयात कर दरें आधी रात को लागू हो गई। इसके तहत भारत पर अब 26 फीसदी टैरिफ प्रभावी हो गया है। ट्रंप में सबसे ज्यादा टैरिफ 50 फीसदी तक लगाने का एलान किया है। सबसे ज्यादा टैरिफ उन छोटी अर्थव्यवस्थाओं पर लगाया गया है, जो अमेरिका के साथ बहुत कम व्यापार करती हैं, जैसे- अफ्रीकी देश लेसोथो।

इसके अलावा मेडागास्कर से आयात पर 47प्रति., वियतनाम पर 46प्रति., ताइवान पर 32प्रति., दक्षिण कोरिया पर 25प्रति., जापान पर 24प्रति. और यूरोपीय संघ पर 20प्रति. टैरिफ लगाया गया है। इस बीच पिछले सप्ताह ट्रंप ने चीन पर 34प्रति. टैरिफ की घोषणा की थी। यह इस साल की शुरुआत में लगाए गए 20प्रति. शुल्क के अतिरिक्त था। ट्रंप ने तब से बीजिंग की ओर से हाल ही में किए गए जवाबी पलटवार के बाद चीनी वस्तुओं पर 50त्न शुल्क जोड़ने की धमकी दी थी। इससे चीन पर कुल मिलाकर 104 फीसदी टैरिफ अमेरिका की ओर से लगाया जाएगा। यह वस्तुओं के आयात पर लगाए जाने वाला सीमा शुल्क या आयात शुल्क है, जिसे आयातक की तरफ से सरकार को देना होता है। आम तौर पर कंपनियां इनका बोझ उपयोगकर्ताओं पर डालती हैं। दूसरे शब्दों में इसका असर आम लोगों की जेब पर ही पड़ता है। यह शुल्क व्यापारिक साझेदारों की तरफ से लगाए जा रहे शुल्क में वृद्धि या उच्च शुल्क के जवाब में लगाया जाता है। यानी एक तरह से जैसे को तैसा वाला जवाबी कदम होता है। इस्पात, एल्युमीनियम और वाहनों तथा कलपुर्जों पर पहले से ही 25प्रति. शुल्क लागू है। शेष उत्पादों पर 5 से 8 अप्रैल के बीच 10त्न का मूल (बेसलाइन) शुल्क लगेगा और 9 अप्रैल से बढ़कर 26प्रति. हो गया इससे अमेरिका में घरेलू विनिर्माण बढ़ेगा। अमेरिका का कुछ देशों खासकर चीन के साथ भारी व्यापार असंतुलन है। 2023-24 में भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 35.31 अरब अमेरिकी डॉलर था।

किआ के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में चोरी हुए 900 इंजन

कंपनी ने दर्ज कराई एफआईआर

आंध्रप्रदेश। आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ ने एफआईआर दर्ज कराई है। बीते पांच वर्षों में ऑटोमोबाइल कंपनी किआ के लगभग 900 कार इंजन चोरी हुए है। ये जानकारी दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी में कार्यरत एक अधिकारी ने दी है। अधिकारी की मानें तो मामले में दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। श्री सत्यसाई जिले के पेनुकोंडा में किआ कंपनी की कार मैन्युफैक्क्ररिंग यूनिट स्थित है। पुलिस की मानें तो इंजन चोरी की घटना बीते पांच सालों से हो रही है। इस पूरे दौरान 900 कार के इंजन कथित तौर पर चोरी हुए है। पुलिस का कहना है कि चोरी की घटना की शुरुआत पांच वर्ष पहले हुई थी। इस मामले में 19 मार्च को शिकायत दर्ज कराई गई है। श्री सत्य साई जिले में 'किया' का कार निर्माण संयंत्र है। पेणुकोंडा के उप प्रभागीय पुलिस अधिकारी वाई वेंकटेश्वरलु ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ÷यह चोरी वर्ष 2020 में शुरू हुई थी और तब से निरंतर होती रही है। हम इसकी गहराई से जांच करेंगे। वेंकटेश्वरलु के अनुसार, प्रारंभिक जांच में 900 इंजन चोरी होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि ये इंजन या तो संयंत्र के अंदर से या वहां पहुंचने के रास्ते में चुराए गए। पुलिस को संदेह है कि यह चोरी कंपनी के ही कर्मचारियों की मिलीभगत से हुई है जिसके चलते जांच को कंपनी के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों पर केंद्रित रखा गया है। वेंकटेश्वरलु ने कहा, ÷बाहरी लोगों की बात नहीं है, यह सब अंदर से हुआ है। यहां तक कि एक छोटा पुर्जा भी कंपनी की अनुमति के बिना बाहर नहीं जा सकता। हम पता कर रहे हैं कि इसमें कौन-कौन शामिल है। वेंकटेश्वरलु ने बताया कि प्राथमिक जांच में कुछ खामियों की पुष्टि हुई है और फिलहाल कंपनी के पुराने कर्मचारियों पर जांच केंद्रित है, हालांकि कुछ मौजूदा कर्मचारियों की संलिप्तता भी सामने आई है। इस सिलसिले में पुलिस ने विशेष टीम गठित की हैं और कई दस्तावेज व रिकॉर्ड भी जुटाए हैं। हालांकि, कंपनी के अधिकारियों से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

टैरिफ के कारण बाजार में असमंजस बरकरार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पर अमेरिका की ओर से घोषित जवाबी टैरिफ का असर फिलहाल बरकरार है। एक दिन की राहत के बाद बुधवार को भी प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 379.93 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 73,847.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 554.02 अंक या 0.74 प्रतिशत गिरकर 73,673.06 अंक के निचले स्तर पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 136.70 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 22,399.15 अंक पर आ गया। दिन के कारोबार में यह 182.6 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 22,353.25 अंक पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्तीय वर्ष की पहली एमपीसी बैठक के बाद लगातार दूसरी बार नीतिगत दरों में कटौती की है। इसका मकसद अमेरिकी टैरिफ के कारण पड़ने वाले दबाव को देखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है। एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप घरेलू शेयर सूचकांक गिरावट के साथ खुले और पूरे सत्र के दौरान नकारात्मक दायरे में रहे। अमेरिका ने चीनी आयात पर 104 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। जानकारों के अनुसार, पारस्परिक टैरिफ के लागू होने के बाद वैश्विक वित्तीय बाजारों में नए सिरे से बिकवाली का दबाव दिख रहा है। व्यापार युद्ध वैश्विक परिदृश्य के लिए जोखिम बढ़ा रहा है। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में इजाफे से दुनिया की सुरक्षित ट्रेजरी परिसंपत्तियों में बिकवाली हो रही है। ऐसे में भारत में, रेपो दर में कटौती एक रचनात्मक कदम साबित हो सकता है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, हालांकि, इससे समग्र बाजार भावना को बढ़ाने में कोई मदद नहीं मिली है, क्योंकि दुनिया मंदी के जोखिम को स्वीकार कर रही है। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, टाटा स्टील, सन फार्मा, इंफोसिस, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एनटीपीसी के शेयरों में रही। नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईटीसी लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में, टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी नीचे बंद हुए जबकि शंघाई एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग ऊपर बंद हुए। टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक करीब 4 फीसदी गिरा। यूरोप के बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार भी काफी गिरावट के साथ बंद हुए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को लगातार दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती की तथा भविष्य में और अधिक कटौती का संकेत दिया। इसका कदम का उद्देश्य अमेरिकी टैरिफ के कारण पड़ने वाले दबाव को देखते हुए अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना है।